चीनी पर निर्यात शुल्क खत्म

इससे पहले दोगुना किया गया था चीनी पर आयात शुल्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चीनी के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए मंगलवार को कच्ची तथा रिफाइंड चीनी के निर्यात शुल्क को हटा दिया। देश में चालू (2017-18) चीनी सत्र में रिकॉर्ड 2.95 करोड़ टन चीनी का उत्पादन का आकलन है। चीनी पर पहले 20 फीसदी का निर्यात शुल्क था।

केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि उसने कच्ची चीनी, सफेद या रिफाइंड चीनी पर निर्यात शुल्क को 20 फीसदी से घटाकर शून्य करने का फैसला लिया हैं। इससे पहले, सरकार ने देश में चीनी का आयात रोकने के लिए उसपर आयात शुल्क को दोगुना बढ़ाकर 100 फीसदी कर दिया था।

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े चीनी उत्पादक देश भारत में 2017-18 चीनी सत्र (अक्तूबर-सितंबर) में चीनी उत्पादन बढ़कर 2.95 करोड़ टन रहने का आकलन है, जो पिछले चीनी सत्र में 2.03 करोड़ टन रहा था। चीनी की घरेलू मांग सालाना 2.4-2.5 करोड़ टन है। एजेंसी

20%
से घटकर शून्य हुआ निर्यात शुल्क

2.95
करोड़ टन चीनी उत्पादन का आकलन

उद्योग संगठनों ने की थी मांग

चीनी की घरेलू कीमतें लागत मूल्य से नीचे जाने के चलते चीनी उद्योग संगठन इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) तथा नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (एनएफसीएसएफ) अधिशेष घरेलू स्टॉक को कम करने के लिए निर्यात शुल्क हटाने की मांग कर रही थीं। संघ ने एक बयान में कहा था कि मिल संचालकों की तरलता बढ़ाने के लिए सरकार को तत्काल 20 फीसदी का निर्यात शुल्क हटा देना चाहिए और 20 लाख टन के निर्यात की अनुमति देनी चाहिए। चीनी उद्योग संगठन काफी अधिक चीनी के उत्पादन का आकलन सामने आने के बाद से ही चीनी पर लगने वाले निर्यात शुल्क को हटाने की मांग कर रहे थे।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच सकता है गन्ना बकाया

इस्मा ने यह भी कहा कि गन्ने का बकाया जनवरी तक बढ़कर 14,000 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है और चीनी की कीमतों में गिरावट तथा अनबिके माल के विशाल भंडार की वजह से इस माह के आखिर तक बकाया बढ़कर रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच जाने की संभावना है। विपणन वर्ष 2017-18 (अक्तूबर-सितंबर) में 15 मार्च तक 2.58 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हो चुका है, जबकि लक्ष्य 2.95 करोड़ टन का है। 2016-17 विपणन वर्ष में 2.03 करोड़ टन उत्पादन हुआ था।

Amar Ujala

21/3/18